# कैथल जिला

## 1. कैथल जिला एक नज़र में

| | |
|---|---|
| **जिले की स्थापना** | 1 नवम्बर 1989 |
| **शहर की स्थापना** | राजा युधिष्ठिर अथवा कपिल मुनि द्वारा |
| **प्राचीन नाम** | कपिस्थल (अष्टाध्यायी में वर्णित) |
| **क्षेत्रफल** | 2317 वर्ग किमी |
| **उपनाम** | छोटी काशी (नवग्रह कुंडों के कारण), गुरुद्वारों का शहर, वानरों की भूमि, कपिल नगरी |
| **विधानसभा सीटें** | कैथल, पुंडरी, कलायत, गुहला चीका (आरक्षित) |
| **तहसील** | कैथल, पुंडरी, कलायत, गुहला चीका |
| **उपतहसील** | राजौंद, सीवन, ढांड |

hrgk.in

**ध्यान दें:** भगवान हनुमान का जन्म कैथल में हुआ माना जाता है, तथा उनकी माता अंजनी के नाम पर यहाँ 'अंजनी का टीला' स्थित है — यह तथ्य परीक्षा में अक्सर पूछा जाता है।

## 2. ऐतिहासिक एवं धार्मिक स्थल

### इतिहास

पुराण-कथा के अनुसार महाभारत काल में राजा **युधिष्ठिर** ने कैथल की स्थापना की थी। सभी इतिहासकार मानते हैं कि 'कैथल' नाम 'कपिस्थल' से बना है, जिसका अर्थ 'बंदरों की जगह' है। पौराणिक मान्यता है कि भगवान **हनुमान** का जन्म कैथल में हुआ था; उनकी माता अंजनी के नाम पर यहाँ प्रसिद्ध 'अंजनी का टीला' स्थित है। कैथल रियासत की स्थापना भाई गुरबख्श सिंह ने की थी; उनके उत्तराधिकारी भाई देसा सिंह ने इसे अफगानों से छीनकर पुनः प्राप्त किया। भाई देसा सिंह के पुत्र भाई लाल सिंह ने अंग्रेजों की अधीनता स्वीकार कर ली। उनके बाद प्रताप सिंह तथा फिर भाई उदय सिंह ने शासन किया, जो 1843 तक कैथल के अंतिम शासक रहे। **13 अक्टूबर 1240** को इल्तुतमिश की पुत्री **रज़िया सुल्तान** की स्थानीय

लोगों द्वारा हत्या कर दी गई थी; रज़िया सुल्तान का मकबरा भी कैथल में स्थित है। प्रसिद्ध चीनी यात्री ह्वेनसांग व फाह्यान ने कुरुक्षेत्र के साथ-साथ कैथल का भी भ्रमण किया था।

### नवग्रह कुंड

महाभारत काल में भगवान श्रीकृष्ण ने युधिष्ठिर से नवग्रह यज्ञ करवाकर इन कुंडों का निर्माण करवाया था — सूर्य, चंद्र, मंगल, बुध, बृहस्पति, शुक्र, शनि, राहु व केतु कुंड। इन कुंडों में स्नान के महत्व के कारण ही कैथल को **'छोटी काशी'** कहा जाता है।

### ग्यारह रुद्री शिव मंदिर

महाभारत काल में अर्जुन ने यहाँ भगवान शिव को प्रसन्न करने हेतु तप किया था और उनसे **'पाशुपतास्त्र'** प्राप्त किया था।

### मीरा नौबहार पीर की मजार

गुहला चीका में स्थित यह मजार लगभग 960 वर्ष पुरानी बताई जाती है; बाबा मीरा को 'बड़ा पीर' भी कहा जाता है।

## 3. जिले की अन्य महत्वपूर्ण बातें

### ऐतिहासिक समयरेखा

- **13 अक्टू 1240** रज़िया सुल्तान की स्थानीय लोगों द्वारा हत्या कर दी गई।
- **1530** मोहन सिंह मंढार ने बाबर के विरुद्ध विद्रोह का नेतृत्व किया।
- **1843** कैथल का विद्रोह हुआ (गुलाब सिंह व साहिब कौर); भाई उदय सिंह का भी निधन हुआ।
- **1 नवं 1989** कैथल जिले की स्थापना हुई।

### धार्मिक स्थल

- **कपिल मुनि आश्रम (मंदिर)** – कलायत (कैथल) में स्थित।
- **हनुमान वाटिका** – कैथल में स्थित।
- **प्राचीन ईंटों का मंदिर** – कलायत (कैथल) में स्थित।
- **अंबेश्वर मंदिर** – कैथल में स्थित।
- **पुंडरीक सरोवर** – पुंडरी; मान्यता है कि इसका जल सतयुग से अब तक नहीं सूखा है।
- **शाह कमाल की मजार** – कैथल में स्थित।
- **गुरुद्वारा मंजी साहिब** – गुरु हरगोबिंद व गुरु गोविंद सिंह जी को समर्पित।

hrgk.in

- **गुरुद्वारा नीम साहिब** – डोगरा गेट; गुरु तेग बहादुर जी को समर्पित।
- **गीता मंदिर** – पुंडरीक तीर्थ के निकट स्थित।
- **टोपियों वाला गुरुद्वारा** – यहाँ ग्रंथ साहिब व रामायण दोनों एक साथ पढ़े जाते हैं।

## तीर्थ एवं मेले

- **प्राचीन खंडेश्वर मेला** – मटौर गांव (कैथल) में लगता है।
- **लवकुश तीर्थ** – मुंदई गांव में स्थित।
- **देहाती मेला** – बाबा लदाना गांव में लगता है; यहाँ बाबा लदाना तीर्थ भी है।
- **फल्गु का तीर्थ मेला** – फरल गांव में सोमवती अमावस्या को लगता है।

## ऐतिहासिक स्थल

- **थेह पोलर पुरातात्विक स्थल** – कैथल में स्थित।
- **रज़िया सुल्तान का मकबरा** – कैथल में स्थित।
- **अ. लुनिया का मकबरा** – कैथल में स्थित।
- **शेख तैयब का मकबरा** – कैथल में स्थित।
- **अरनौली का किला** – अरनौली (कैथल) में स्थित।
- **भाई उदय सिंह का किला** – कैथल में स्थित।

hrgk.in

## झील एवं प्राकृतिक स्थल

- **बिदक्यार झील** – कैथल में स्थित।
- **बालू का टिब्बा** – कैथल में स्थित।
- **सरस्वती वन्यजीव अभयारण्य** – हिरणों के लिए प्रसिद्ध; इसे 'सोनसर जंगल' भी कहा जाता है।

## पर्यटन एवं खेल स्थल

- **कोयल रिसॉर्ट** – कैथल में स्थित।
- **महाराजा सूरजमल जाट स्टेडियम** – कैथल में स्थित।

## शिक्षण संस्थान

- **महर्षि वाल्मीकि संस्कृत विश्वविद्यालय** – मुंडड़ी गांव; प्रदेश की प्रथम व एकमात्र संस्कृत यूनिवर्सिटी।

- **नीलम यूनिवर्सिटी** – कैथल में स्थित।
- **जवाहर नवोदय विद्यालय** – तितरम (कैथल) में स्थित।

### कैथल के प्रथम / रिकॉर्ड

- **चावल की किस्में** – प्रदेश में सबसे ज्यादा चावल की किस्मों वाला जिला कैथल है।
- **1530 का विद्रोह** – बाबर के विरुद्ध विद्रोह का नेतृत्व मोहन सिंह मंढार ने किया था।
- **1843 का विद्रोह** – कैथल के विद्रोह का नेतृत्व गुलाब सिंह व साहिब कौर ने किया था।
- **घूंघट प्रथा का विरोध** – प्रदेश में इसकी शुरुआत चौशाला गांव (कैथल) से हुई।

## 4. महान व्यक्तित्व

| नाम | परिचय / योगदान |
|---|---|
| बलवंत सिंह | कैथल; वॉलीबॉल खिलाड़ी। |
| मनीषा मान | कैथल; बॉक्सर। |
| मनोज कुमार | कैथल; बॉक्सर; कॉमनवेल्थ गेम्स 2010 (दिल्ली) में स्वर्ण पदक; 2014 में अर्जुन पुरस्कार। |
| ममता सोढ़ा | कैथल; पर्वतारोही। |
| मधु शर्मा | कैथल; गायिका। |
| कंवल हरियाणवी | कैथल; कवि। |
| हरविंदर सिंह | कैथल; जन्म 25 फरवरी 1991; भारतीय पैरा-ओलंपिक तीरंदाज; 2024 पेरिस में स्वर्ण व 2020 टोक्यो में पुरुष एकल तीरंदाजी में कांस्य पदक — भारत के पहले पैरा-ओलंपिक तीरंदाजी पदक; 2025 में पद्मश्री सम्मान। |

hrgk.in